|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 3 |  | 4 |  | 5 |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2 |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 1 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | 1 |  |  |  | 3 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | 4 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 5 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | 6 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

****

**ЗИМНИЙ КРОССВОРД**



ПО ГОРИЗОНТАЛИ: ПО ВЕРТИКАЛИ:

1.На морозе не дрожу 1.Бошмачки – озорники

Нос морковкой держу, Мчат меня по льду реки.

Но не жалуюсь, привык 2.С неба звезды падают, слягут на поля.

Как зовусь я………….. Пусть над ними скроется черная земля.

2.Мчат по снегу две сестрички Много – много звёздочек тонких как стекло

Следом тянутся косички. Звездочки холодные, а земле тепло.

3.С неба хлопок повалил 3.Я готов сказать всегда

Землю вязкую укрыл. Я замерзшая вода.

4.Белая морковка зимою растет. 4. Без рук, без ног,

5.Гуляю в поле, летаю на воле А рисовать умеет.

Кручу, бурчу, знать ничего не хочу. 5.После осени пришла

6.Всё лето стояли - зимы ожидали И морозы принесла.

Дождались поры – помчались с горы.